कार्यालय जिला पंचायत (ग्रामीण विकास) छिंदवाड़ा (म.प्र.)

सफलता की कहानी

जहां मुश्किल था पैदल चलना वहां दौड़ रहे वाहन

एक सड़क से लाभान्वित हुए आधा दर्जन गांव

राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना में मिला अनेक मजदूरों को काम

जिस रास्ते पर पहले पैदल चलना भी मुश्किल था। आज उस रास्ते पर वाहन दौड़ रहे है। एकमात्र सड़क बनने से हजारों ग्रामीणों की राह आसान हो गई है, बात कर रहे है राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी स्कीम अंतर्गत विकासखंड सौंसर की ग्राम पंचायत रामपेठ में बनी ग्रेवल सड़क की। ग्राम पंचायत रामपेठ द्वारा बनाई गई दो किलोमीटर ग्रेवल सड़क से न केवल गांव के लोग लाभान्वित हुए, बल्कि आसपास के लगभग आधा दर्जन गांवों को भी फायदा हुआ है। सड़क के अभाव में ग्रामीण या तो नाव से नदी पार करते थे या दलदल युक्त रास्ते से चलना पड़ता था।

ग्राम पंचायत रामपेठ के सचिव संजय गोमकाले ने बताया कि पहले रामपेठ से छिंदवाड़ा–नागपुर मार्ग पर आने के लिए एकमात्र मार्ग था, जिस पर पैदल चलना भी मुश्किल था। बारिश में तो मानो गांव से निकल ही नहीं पाते थे। इस समस्या से निजात पाने के लिए ग्राम पंचायत ने ग्राम सभा में इस मार्ग पर ग्रेवल सड़क बनाने का प्रस्ताव रखा और प्रस्ताव पारित भी हो गया। रामपेठ में छिंदवाड़ा–नागपुर मार्ग तक 4 लाख 65 हजार 625 रूपए की लागत से 2 किलोमीटर ग्रेवल सड़क निर्माण किया गया। मई 2007 में सड़क निर्माण का कार्य पूर्ण हो गया। लगभग ढाई माह तक चले इस सड़क निर्माण कार्य में गांव के करीब 200 मजदूरों को रोजगार के अवसर भी उपलब्ध हुए। 67 रूपए और 69 रूपए टास्क रेट पर मजदूरों ने मन लगाकर काम किया। सड़क बनने के बाद रामपेठ के लोगों के लिए नागपुर–छिंदवाड़ा मार्ग बहुत उपयोगी साबित हो रहा है। जिस रास्ते पर पैदल भी नहीं चल सकते थे, अब अनेक वाहन रोजाना गुजरते है। ग्राम सभा में लिया गया एक अच्छा निर्णय सभी के लिए लाभकारी रहा है।

आधा दर्जन अन्य गांवों को मिला ज्यादा फायदा

सरपंच देवाजी तुमड़ाम ने बताया कि रामपेठ से नागपुर–छिंदवाड़ा मार्ग तक बनी ग्रेवल सड़क में रामपेठवासियों को फायदा हुआ ही है, लेकिन आसपास के करीब आधा दर्जन गांवों को ज्यादा लाभ मिला है। उन्होंने बताया कि पहले ग्राम कोपरावाड़ीखुर्द, कच्चीढ़ाना, दमानी, जोबनी और सिल्लोरा के ग्रामीणों को छिंदवाड़ा–नागपुर और रामाकोना जाने के लिए बड़ी कठिनाई का सामना करना पड़ता था। ग्रामवासी बारिश के दिनों में कन्हान नदी नाव से पार कर मुख्य मार्ग पर आते थे या फिर रामपेठ होते हुए उसी दलदल भरे रास्ते में चलना पड़ता था। इन गांवों से मुख्य मार्ग पर आने के लिए कोई सीधा रास्ता नहीं था। रामपेठ से नागपुर–छिंदवाड़ा मुख्य मार्ग तक बनी ग्रेवल सड़क से उक्त आधा दर्जन गांव के लोगों को भी आने–जाने में सुविधा हो गई। ये ग्रामवासी छिंदवाड़ा–नागपुर और रामाकोना के लिए अब इसी मार्ग का उपयोग करते है। अब नाव से जोखिम भरा सफर नहीं करना पड़ता है। बाजार की दृष्टि से भी यह मार्ग उपयोगी साबित हो रहा है। सभी गांवों से उत्पादित होने वाली सब्जी–भाजी, दूध आदि बेचने के लिए ग्रामीण सीधे रामाकोना बाजार आसानी से आने–जाने लगे है। जनपद सीईओ श्री करपे ने बताया कि कलेक्टर निकुंज कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ डॉ. श्रीनिवास शर्मा के मार्गदर्शन में जनपद क्षेत्र के अनेक कार्य कराए जा रहे है, जिससे मजदूरों को रोजगार के अवसर मिल रहे है।